गिल्लू ~~के~~ पाठ का सारांश :-

गिल्लू पाठ के लिखक लेखिका का नाम 'महादेवी वर्मा' है। महादेवी वर्मा के संस्मरण 'मेरा परिवार' से चयनित प्रस्तुत पाठ 'गिल्लू' के माध्यम से पशु-पक्षियों की क्रियाओं का सूक्ष्म अवलोकन हुआ है। 'गिल्लू' लेखिका की एक गिलहरी का नाम है जिसकी लेखिका पालन-पोषण करती थी। लेखिका गिल्लू को बहुत प्यार करती थी और गिल्लू भी उन्हें उनसे बहुत प्यार करता था। जब गिल्लू को भूख लगती तो वह चिक-चिक की आवाज़ करके मानो लेखिका को सूचना देती थी। 'गिल्लू' को काजू खाना बहुत पंसद था। तो इसलिए लेखिका उसे काजू और बिस्कुट खाने को देती थी। इस पाठ में लेखिका कहती है कि बाहर की गिलहरियाँ उसके घर की खिड़की की जाली के पास आकर चिक-चिक करती थी। जिसके कारण गिल्लू खिड़की से बाहर झाँकने लगा। तब लेखिका को समझ में

आया कि गिल्लू को अभी आज़ाद करना चाहिए। जब लेखिका को दुर्घटना हुई, तब गिल्लू उदास रहता और उसका मन पसंद काजू भी नहीं खाता था।

उपरोक्त उपर दिए गए वाक्यों से हमें यह समझ में आया कि पशु - पक्षियों को स्वतन्त्र रखकर, अपनाकर तथा आत्मीयता देकर हम इनका स्वाभाविक विकास होने में मदद कर सकते हैं, जैसे गिल्लू के संदर्भ में लिखिका ने किया।